

प्रेषक,

हरिश्चन्द्र जोशी,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन

सेवा में,

निदेशक,
विद्यालयी शिक्षा,
उत्तराखण्ड देहरादून।

16 नवम्बर, 2007.

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून दिनांक

दिसम्बर, 2007

विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 में राजीव गाँधी नवोदय विद्यालय देवलधार (कण्डार) टिहरी के भवन निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-30528/5ख 1/रा0या0न0वि0/2007-08, दिनांक 10 सितम्बर, 2007 एवं शासनादेश संख्या 732/XXIV-3/2006/2(191)05, दिनांक 28.12.2006 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय राजीव गाँधी नवोदय विद्यालय देवलधार (कण्डार) टिहरी के भवन निर्माण हेतु टी0ए0सी0 एवं अध्यक्ष, व्यय वित्त समिति द्वारा अनुमोदित रू० 1096.82 लाख की लागत पर चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में रू० 74.09 लाख (रुपये चौहत्तर लाख, नौ हजार मात्र) की धनराशि को प्रश्नगत योजना में शासनादेश संख्या: 1010/XXIV-3/07/02 (20)/2007, दिनांक 03.8.2007 द्वारा आपके निवर्तन पर रखी गयी धनराशि रू० 1050.00 लाख में से नियमानुसार व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- 1- प्रश्नगत निर्माण कार्य उ०प्र० राजकीय निर्माण निगम टिहरी द्वारा द्वारा सम्पादित किया जायेगा।
- 2- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरे शिडयूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति पर नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा, तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
- 3- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- 4- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 5- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टेपअप किया जाय।
- 6- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रयत्नित दरों/विशिष्टियों का ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
- 7- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली भाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के बाद स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।
- 8- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- 9- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सागरी का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जानी वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।
- 10- जी०पी०डब्ल्यू० फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा कार्य को समय पर पूरा न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
- 11- किसी भी कार्यालय/संस्थाओं के निर्माण का विस्तृत आगणन गठित करते समय स्वीकृत ज्ञातव्य एवं नार्मस के अनुसार गठित किया जाये तथा इसकी सूचना प्रशासकीय विभाग को भी

क्रमांक: ...2

ट एच डिग्री कातेजो/मैट्रिकल के इंसट्रुमेंटों का निर्माण एच0आई0सी0 के मानकों के आधार पर प्रारम्भिक आगणन गठित किये जाय।

- 12- यदि स्वीकृत धनराशि में स्थल विकास कार्य संभव न हो, तो कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन मानचित्र गठित कर शासन से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, स्वीकृति राशि से अधिक कदापि व्यय न किया जाये।
 - 13- निर्माण की गुणवत्ता के लिए संबंधित निर्माण एंजेन्सी उत्तरदायी होगी।
 - 14- विभाग कार्य की गुणवत्ता एवं प्रगति की चैकिंग की व्यवस्था थर्डपार्टी से करायेगे तथा इस का व्यय सेन्टेज चार्ज में निहित धनराशि से वहन होगा।
 - 15- निर्माण कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति के विवरण प्रत्येक माह की 15 तारीख तक निर्माण संस्था द्वारा शासन/विभागाध्यक्ष को उपलब्ध कराये जायेंगे।
- 2- उपर्युक्त धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों के अनुसार किया जाय और जहाँ आवश्यक हो, व्यय करने से पूर्व सक्षम प्राधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप पर यथासमय शासन तथा महालेखाकार को उपलब्ध करा दिया जाय। स्वीकृति की प्रत्याशा में अनानुमोदित व्यय कदापि न किया जाय।
- 3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखाशीर्षक-4202-शिक्षा खेसफुद तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय-01-सामान्य शिक्षा-202-माध्यमिक शिक्षा-आयोजनागत-00-16-राजीव गाँधी नवोदय विद्यालय के भवनों का निर्माण-24-वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
- 4- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 700(P)/वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु0-3/07, दिनांक 03 दिसम्बर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(हरिश्चन्द्र जोशी)
सचिव

संख्या-1433(1)/XXIV-3/07/02(191)/2005, तदुद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्य मंत्री, उत्तराखण्ड सरकार।
- 3- निजी सचिव, मा0 शिक्षा मंत्री, उत्तराखण्ड सरकार।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल- पौड़ी।
- 6- अपर शिक्षा निदेशक, गढ़वाल मण्डल-पौड़ी।
- 7- बजट, राजकोषीय नियोजन एवं ससाधन निदेशालय, सचिवालय।
- 8- जिलाधिकारी, टिहरी।
- 9- कोषाधिकारी, टिहरी।
- 10- जिला शिक्षा अधिकारी, टिहरी।
- 11- सम्बन्धित निर्माण एंजेन्सी।
- 12- वित्त विभाग/नियोजन प्रकोष्ठ।
- 13- कम्प्यूटर सेल (वित्त विभाग)
- 14- एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 15- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(पी0एल0शाह)
उप सचिव